तेंदूखेड़ा में बड़ा हादसा टला: सड़क से नीचे उतरी 108 जननी एक्सप्रेस

तेजगढ़ मार्ग पर वन डिपो के पास हुई घटना, चालक की सूझबूझ से बची कई जिंदगियां

तेंदूखेड़ा, देशबन्धु। बुधवार सुबह दमोह-तेंदूखेड़ा मार्ग पर एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। 108 जननी सुरक्षा वाहन का फील्ड जोन (सीवी जॉइंट) बीच सड़क पर अचानक टूट गया, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गया। गनीमत रही कि इस दौरान वाहन में कोई मरीज मौजूद नहीं था और चालक ने सूझबूझ दिखाकर वाहन को सड़क किनारे रोक लिया, वरना बड़ा हादसा हो सकता था

तेंदूखेड़ा से तेजगढ़ जा रही थी 108 - जानकारी के अनुसार 108 जननी सुरक्षा वाहन के चालक कृष्ण यादव सुबह साढ़े नौ बजे एक मरीज को तेजगढ़ से तेंदूखेड़ा छोड़कर वापस तेजगढ़ लौट रहे थे। जैसे ही वाहन तेंदूखेड़ा से करीब 4 किमी दूर तेजगढ़ मार्ग पर वन विभाग की डिपो के समीप पहुंचा, अचानक टायर के बीच स्थित फील्ड जोन टूट गया। इससे वाहन के ब्रेक सहित अन्य पार्ट्स ने काम करना बंद कर दिया और वाहन अनियंत्रित हो गया।

चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए वाहन को कंट्रोल करने का प्रयास किया। वाहन



करीब 250 से 300 मीटर तक अनियंत्रित होकर घिसटता रहा और फिर सड़क किनारे उतरकर रुक गया।

सुबह के समय सबसे ज्यादा रहती है आवाजाही -

घटनास्थल पर मौजूद राहगीरों ने बताया कि चालक की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। जिस समय यह घटना हुई, उस समय दमोह मार्ग पर सबसे ज्यादा आवाजाही होती है। ग्रामीण क्षेत्रों के दर्जनों बच्चे ई-रिक्शा से पढ़ने तेंदूखेड़ा जाते हैं, वहीं दमोह, जबलपुर, छतरपुर, टीकमगढ़ की दर्जनों बसें इस मार्ग से निकलती हैं अगर चालक वाहन को सड़क किनारे नहीं उतारता तो सामने से आ रहे किसी भी वाहन या राहगीर को अपनी चपेट में ले सकता था। घटनास्थल से थोड़ा आगे अंधा मोड़ और पुलिया भी है, जहां वाहन नीचे पलट भी सकता था। चालक कृष्ण यादव ने बताया कि हादसे के समय वाहन पर उनके अलावा कोई मरीज मौजूद नहीं था। अगर मरीज होता तो उसे घंटों परेशानी झेलनी पड़ती। घटना की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, जिसके बाद मैकेनिक मौके पर पहुंचे और वाहन का सुधार कार्य शुरू किया।

तो हो सकता था बड़ा हादसा-

जबेरा से तारादेही जा रहे राहगीर सोनू राज ने बताया कि हादसा उनकी आंखों के सामने हुआ। चालक कृष्ण यादव ने अपनी जान की परवाह किए बिना वाहन को बचाने के लिए काफी मशक्कत की सोनू राज ने बताया कि सड़क से उतरकर जिस स्थान पर वाहन रुका, उसके आजू-बाजू भारी-भरकम पेड़ लगे हुए थे। वाहन सड़क से उतरते ही रफ्तार के साथ नीचे की ओर जा रहा था। गनीमत रही कि वाहन सड़क से उतरते ही एक गड्ढे में फंस गया और बड़ा हादसा टल गया। अगर वाहन गड्ढे में नहीं फंसता और सीधा पेड़ से टकरा जाता तो वाहन के परखच्चे उड़ जाते और चालक गंभीर रूप से घायल हो सकता था।

सड़क चौड़ीकरण के नाम पर लापरवाही: खकरिया मार्ग पर वार्ड-9 में कहीं 4 फीट तो कहीं 2 फीट खुदाई, 10 दिन से धूल से बेहाल दुकानदार

तेंदूखेड़ा, देशबन्धु। नगर परिषद तेंदूखेड़ा द्वारा वार्ड क्रमांक 9 में खकरिया मार्ग पर कराए जा रहे सड़क चौड़ीकरण कार्य में भारी अनियमितता सामने आ रही है मुख्य मार्ग से मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल जाने वाले जनपद मार्ग का चौड़ीकरण कार्य पिछले कई दिनों से चल रहा है, लेकिन निर्माण कार्य में एकरूपता नहीं होने के कारण अब स्थानीय लोगों और दुकानदारों में आक्रोश देखने को मिल रहा है जानकारी के अनुसार इस मार्ग की वर्तमान चौड़ाई करीब 12 फीट है, जिसे बढ़ाकर 20 फीट किया जाना प्रस्तावित है।

योजना के तहत सड़क के दोनों ओर लगभग चार-चार फीट जगह की खुदाई कर उसमें मुरम और गिट्टी डालने के बाद डामरीकरण किया जाना है। लेकिन मौके पर चल रहा कार्य



प्रस्तावित नक्शे और मापदंडों से बिल्कुल अलग नजर आ रहा है

कहीं ज्यादा तो कहीं कम हो रही खुदाई - मौके पर जेसीबी मशीन से सड़क के दोनों ओर खुदाई कराई जा रही है, लेकिन खुदाई का कोई निर्धारित लेवल नहीं दिख रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि कहीं पर 4 फीट तक चौड़ी खुदाई की गई है तो कहीं महज 2 से 3 फीट तक ही खोदकर छोड़ दिया गया है। इसी तरह गहराई में भी अंतर देखा जा रहा है। कहीं गड्ढा ज्यादा गहरा खोदा गया है तो कहीं ऊपरी सतह से ही काम चलाया जा रहा है सड़क की चौड़ाई और गहराई में इस तरह के अंतर को देखकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता और तकनीकी मापदंडों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि अगर शुरुआत में ही इस तरह की लापरवाही बरती गई तो भविष्य में सड़क जगह-जगह से बैठ सकती है और बरसात में टूट सकती है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि निर्माण कार्य व्यवस्थित और एक समान स्तर पर होना चाहिए, ताकि सड़क टिकाऊ बन सके

10 दिनों से धूल के गुबार से बेहाल व्यापारी - पिछले करीब 10 दिनों से खकरिया मार्ग पर खुदाई का काम चलने से पूरे क्षेत्र में धूल का गुबार उड़ रहा है। सड़क किनारे धूल की मोटी परत जम गई है। इसका सबसे ज्यादा खामियाजा सड़क किनारे संचालित दुकानदारों को और स्थानीय रहवासियों को भुगतना पड़ रहा है। जिनका कहना है कि दिनभर दुकानों और घरों में धूल घुसती रहती है। सामानों पर धूल जम जाती है और ग्राहक दुकानों तक आने से कतराते हैं, जिससे उनका व्यापार बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। राहगीरों, स्कूली बच्चों को भी आवागमन के दौरान भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सार-समाचार

मंत्री की विधानसभा में स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल: 3 घंटे जिंदगी-मौत से जूझता रहा वनरक्षक, तब जाकर मिली एंबुलेंस

तेंदूखेड़ा, देशबन्धु। दमोह जिले के सबसे बड़े ब्लॉक तेंदूखेड़ा में स्वास्थ्य सेवाओं की पोल खुल गई है। शासन 15 से 20 मिनट में 108 एंबुलेंस पहुंचने का दावा करता है, लेकिन हकीकत यह है कि ब्लॉक मुख्यालय में ही मरीजों को 3 से 4 घंटे तक एंबुलेंस के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। बुधवार को इसका ताजा उदाहरण देखने को मिला, जब एक वनरक्षक 3 घंटे तक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जिंदगी और मौत से जूझता रहा। राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी इसी विधानसभा से आते हैं और प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री हैं, फिर भी क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल है। आलम ये हैं कि श्री लोधी ने विधायक निधि से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को एक एंबुलेंस दी थी, जो पिछले 5 से 6 साल से गायब है। किसी भी अधिकारी को यह पता नहीं है कि वह एंबुलेंस कहां है। रोगी कल्याण समिति की बैठकों में भी इस पर कभी चर्चा नहीं होती।

अपने क्वार्टर में बेहोश मिला वनरक्षक- दरअसल, बुधवार सुबह तारादेही वन परिक्षेत्र की चंदना सर्किल के खारी बीट में पदस्थ वनरक्षक पंकज सांख्य अपनी चंदना वन चौकी में बेहोश हालत में मिले वनरक्षक के मुंह से खून निकल रहा था। बगल में रुके डिप्टी रेंजर भगवान सिंह ठाकुर को शक हुआ, क्योंकि वनरक्षक रोज सुबह 6 बजे उठ जाता था, लेकिन आज नहीं उठा। अंदर जाकर देखा तो वह पलंग से नीचे पड़ा था। आनन-फानन में वन अमले ने प्राइवेट वाहन से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने प्राथमिक जांच में बताया कि बीपी 250 से 300 तक हाई होने के कारण नस फटने से मुंह से खून आया है और वनरक्षक बेहोश हो गया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने तुरंत जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक एंबुलेंस का इंतजार- वनरक्षक को सुबह 9 बजे स्वास्थ्य केंद्र लाया गया था, लेकिन जबलपुर ले जाने के लिए एंबुलेंस ही नहीं थी। ऑक्सीजन सपोर्ट पर होने के कारण उसे प्राइवेट वाहन से भी नहीं ले जाया जा सकता था। करीब 3 घंटे तक वह जिंदगी और मौत से जूझता रहा आखिरकार दोपहर 12 बजे 50 किलोमीटर दूर इमलिया उप स्वास्थ्य केंद्र से एंबुलेंस बुलाई गई, तब जाकर ऑक्सीजन लगाकर उसे जबलपुर भेजा गया। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। बताया जा रहा है कि वनरक्षक पंकज भिंड-मुरैना जिले का रहने वाला है। परिजनों को सूचना दे दी गई है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा के लिए दो एंबुलेंस स्वीकृत हैं - एक 108 और एक जननी एक्सप्रेस। लेकिन कई दिनों से 108 वाहन खराब पड़ा है और सिर्फ जननी एक्सप्रेस से काम चलाया जा रहा है। कई बार तो ड्राइवर लोकेशन तक बंद कर देते हैं, जिससे डॉक्टर और मरीज परेशान होते हैं।

200 से अधिक गांवों वाला सबसे बड़ा ब्लॉक, फिर भी अव्यवस्था- जबेरा विधानसभा क्षेत्र का तेंदूखेड़ा ब्लॉक जिले का सबसे बड़ा क्षेत्र है। इसके अंतर्गत 200 से 250 गांव और नगर के 15 वार्ड आते हैं। समय पर एंबुलेंस नहीं मिलने के कारण परिजनों को 2000 से 3000 रुपए खर्च कर प्राइवेट वाहनों से मरीजों को दमोह-जबलपुर ले जाना पड़ता है। कई बार तो समय पर एंबुलेंस न मिलने से मरीजों की जान तक चली जाती है, तो गर्भवती महिलाएं असहनीय पीड़ा झेलती हैं। लोगों ने शासन-प्रशासन से जल्द एंबुलेंस व्यवस्था सुधारने की मांग की है।

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले पर हिंदू संगठनों का प्रदर्शन सड़कों पर उतरे कार्यकर्ता, रैली निकाल कर सौंपा ज्ञापन

हटा, देशबन्धु। हटा में अनुसूचित जाति की नाबालिग बालिका से कथित दुष्कर्म के मामले ने तूल पकड़ लिया है। घटना के विरोध में बुधवार को विभिन्न हिंदू संगठनों ने एकजुट होकर रैली निकाली और प्रशासन के सामने अपना आक्रोश जाहिर किया।

कमला नेहरू वार्ड स्थित शंकर जी चबूतरा से शुरू हुई रैली पुराने एसडीएम कार्यालय पहुंची। जहां कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी करते हुए तहसीलदार उमेश तिवारी को एसडीएम के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आरोपी फैजान खान के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई और



मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की गई। संगठनों ने आरोपी के पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड का हवाला देते हुए कानून के तहत सख्त कार्रवाई की मांग उठाई। वहीं प्रदर्शन के दौरान संगठनों ने दुष्कर्म के मामले के अलावा नगर के अन्य मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया। घटना स्थल के आसपास कथित अतिक्रमण हटाने, आरोपी के परिवार द्वारा शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण की जांच और बस स्टैंड स्थित बाजाज ढाबे का अतिक्रमण हटाने इसके साथ ही कमला नेहरू वार्ड एवं शास्त्री वार्ड में संचालित राशन दुकानों में कथित अनियमितताओं, अपात्र लोगों के राशन कार्ड और शासकीय योजनाओं का गलत तरीके से लाभ लेने की शिकायतों की जांच कराने की मांग भी ज्ञापन में शामिल रही। हिंदू संगठनों ने जिले के अन्य क्षेत्रों में नाबालिग बालिकाओं के साथ हुई कथित दुष्कर्म की घटनाओं पर भी चिंता जताते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और पीड़िताओं को न्याय दिलाने की मांग की। संगठनों ने प्रशासन से सभी शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की अपील की। साथ ही एक हफ्ते का अल्टीमेटम प्रशासन को दिया गया है। जल्द ही कार्रवाई न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी गई है। इस दौरान दर्जनों संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की मौजूदगी रही।

डिंडोरी के चार वन परिक्षेत्रों में लगेंगे 200 कैमरे बाघों की गिनती के लिए 100 ग्रिड पर सर्वे

30 नवंबर तक डेटा देहरादून भेजा जाएगा

डिंडौरी, देशबन्धु। डिंडोरी जिले के रिजर्व फॉरेस्ट में बाघों की मौजूदगी और संख्या का पता लगाने के लिए वन विभाग ने कैमरा ट्रैप सर्वे शुरू किया है। 1 नवंबर से चार वन परिक्षेत्रों में 200 कैमरे लगाए जा रहे हैं। कैमरों से मिला डेटा 30 नवंबर तक अखिल भारतीय बाघ आकलन के लिए दे । एसडीओ सुरेंद्र कुमार जाटव ने बताया कि पूर्व करंजिया, पश्चिम करंजिया, बजाग और दक्षिण समनापुर वन परिक्षेत्र में 100 ग्रिड पर 200 कैमरे लगाए जा रहे हैं। इससे पहले मई में भी कैमरे लगाए गए थे, लेकिन तकनीकी गड़बड़ी के कारण उन्हें दोबारा लगाने की प्रक्रिया शुरू की गई है। विभाग को 30 नवंबर तक डेटा जुटाकर रिपोर्ट भेजनी है।



डिंडोरी जिले के जंगल तीन प्रमुख वन्यजीव क्षेत्रों से जुड़े हैं। डिंडोरी और शहपुरा वन परिक्षेत्र बांधवगढ़ नेशनल पार्क से, दक्षिण समनापुर कान्हा नेशनल पार्क से और बजाग व करंजिया के जंगल छत्तीसगढ़ के अचानकमार क्षेत्र से जुड़े हैं। इन इलाकों से बाघों के जिले के जंगलों में आने की संभावना रहती है।

वन विभाग के मुताबिक, जिले के जंगलों में बाघ के अलावा तेंदुआ, भालू, हिरण, सियार और बायसन भी पाए जाते हैं। कैमरों से बाघों की आवाजाही और गतिविधियों का रिकॉर्ड भी तैयार होगा।

आराधना सोशल वेलफेयर फाउंडेशन ने मनाया दीपावली मिलन समारोह



जबेरा, देशबन्धु। विकासखण्ड जबेरा के ग्राम दुगानी में आराधना सोशल वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा दीपावली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद जिला दमोह से संबद्ध इस संस्था के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में 'आईये मिलकर बनायें आत्मनिर्भर और सशक्त समाज' विषय पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

आराधना सोशल वेलफेयर फाउंडेशन के अध्यक्ष दिनेश कुमार साहू ने संगठन की मजबूती पर बल देते हुए कहा कि संस्था का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। मुख्य अतिथि के रूप में जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक सुशील कुमार नामदेव एवं विकासखंड समन्वयक वंदना जैन उपस्थित रहीं। जिला समन्वयक सुशील कुमार नामदेव ने संस्था के सामाजिक कार्यों की सराहना की। समारोह में संस्था के मार्गदर्शक रानू नामदेव ने पिछले चार वर्षों में संस्था द्वारा किए गए कार्यों का ब्योरा प्रस्तुत किया और आगामी वित्तीय वर्ष की कार्य योजना की जानकारी दी। वहीं, संस्था के प्रोग्राम मैनेजर गोविंद सिंह ने आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा सभी के सामने रखी। संस्था पदाधिकारियों एवं सदस्यों को दीपावली के उपलक्ष्य में उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह के समापन पर सभी उपस्थित जन ने मिलकर समाज हित में निरंतर और एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

लॉटरी सिस्टम से हुआ पटाखा दुकानों का आवंटन, नियमों के पालन के निर्देश



जबेरा, देशबन्धु। स्थानीय तहसील कार्यालय के सभागार में पटाखा लाइसेंस के लिए आवेदन करने वाले व्यापारियों को पारदर्शी तरीके से दुकानों का आवंटन किया गया। इस अवसर पर जबेरा, सिंगरामपुर, कलेहरा, बनवार और बम्होरी ग्राम के सभी पटाखा व्यापारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। दुकानों का यह आवंटन एसडीएम सीजी गिरी गोस्वामी और तहसीलदार आशुतोष गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए एक छोटी कन्या के हाथों पर्ची निकलवाकर लॉटरी सिस्टम के माध्यम से दुकानों का आवंटन किया गया। आवंटन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद सभी चयनित दुकानदारों को तुरंत आदेश की कॉपी भी सौंप दी गई।

इस अवसर पर एसडीएम सीजी गिरी गोस्वामी ने सभी पटाखा विक्रेताओं को सख्त निर्देश दिए कि वे सुरक्षा और प्रशासन द्वारा तय किए गए सभी नियमों का पूरी ईमानदारी से पालन करें।

भगवान श्रीकृष्ण पर आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में युवा यादव महासभा ने सौंपा ज्ञापन, धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ एफआईआर की मांग

तेंदूखेड़ा, देशबन्धु। बागेश्वर धाम के कथावाचक धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री द्वारा भगवान श्रीकृष्ण पर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में अखिल भारतवर्षीय युवा यादव महासभा जिला दमोह ने पुलिस प्रशासन को ज्ञापन सौंपा है। महासभा ने कथावाचक के बयान पर गहरी नाराजगी जताते हुए उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है महासभा की ओर से 14 नवंबर को अनुविभागीय अधिकारी पुलिस (एसडीओपी) तेंदूखेड़ा अर्चना अहीर एवं थाना प्रभारी तेंदूखेड़ा को संबोधित आवेदन सौंपा गया।

आवेदन में उल्लेख किया गया है कि कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री द्वारा अपने प्रवचन के दौरान भगवान श्रीराम एवं भगवान श्रीकृष्ण की तुलना करते हुए भगवान श्रीकृष्ण के संबंध में कथित रूप से निंदनीय और आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया गया है। महासभा का आरोप है कि इस प्रकार की टिप्पणी से भगवान श्रीकृष्ण के करोड़ों अनुयायियों और विशेष रूप से यादव समाज की धार्मिक एवं सामाजिक भावनाएं बुरी तरह आहत हुई हैं।



ऐसी टिप्पणी क्यों: महासभा - ज्ञापन में कहा गया है कि श्रीमद्भागवत कथा स्वयं भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, चरित्र और लीलाओं पर आधारित है और कथावाचक इसी कथा के माध्यम से देशभर में धार्मिक आयोजन करते हैं। ऐसे में उन्हीं आराध्य भगवान श्रीकृष्ण के संबंध में इस तरह की टिप्पणी करना कतई उचित नहीं है। महासभा ने आरोप लगाया कि धर्म और जाति के नाम पर समाज में विभाजन पैदा करने वाली बयानबाजी से सामाजिक सद्भाव और भाईचारा प्रभावित होता है। ज्ञापन में संबंधित बयान की वीडियो क्लिप उपलब्ध होने का उल्लेख करते हुए पुलिस प्रशासन से मामले की गंभीरता से जांच कर उचित धाराओं में प्रकरण दर्ज करने की मांग की गई है। सभा ने कहा कि सार्वजनिक मंचों से ऐसी बयानबाजी से बचना चाहिए, जिससे किसी समाज या संप्रदाय की भावनाएं आहत हों।

बाल विज्ञान कांग्रेस में सांदीपनि विद्यालय जबेरा का शानदार प्रदर्शन



पांच में से दो प्रोजेक्ट राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित, दोनों वर्गों में प्रथम स्थान हासिल कर विद्यार्थियों ने बढ़ाया दमोह का गौरव

जबेरा (दमोह), देशबन्धु। प्रतिभा, नवाचार और वैज्ञानिक सोच के दम पर शासकीय सांदीपनि विद्यालय मॉडल, जबेरा के विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्टता का परचम लहराया है। दमोह जिले में आयोजित जिला स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस प्रतियोगिता में विद्यालय के प्रस्तुत पाँच प्रोजेक्ट्स में से दो प्रोजेक्ट्स का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। विशेष उपलब्धि यह रही कि विद्यालय के विद्यार्थियों ने सीनियर एवं जूनियर दोनों वर्गों में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय सहित पूरे जिले को गौरवान्वित किया है।

प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग में विद्यालय के प्रतिभाशाली विद्यार्थी दिव्यांश जैन एवं अभिषेक मेहरा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं जूनियर वर्ग में तृप्ति हरिनखेड़े एवं जैस्मिन श्रीवास ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुति एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण से प्रथम स्थान हासिल किया। दोनों वर्गों में प्रथम स्थान प्राप्त करने के साथ ही इन विद्यार्थियों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में दमोह जिले का प्रतिनिधित्व करने का गौरव प्राप्त किया है। इस उल्लेखनीय सफलता के पीछे विद्यालय का सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण, विद्यार्थियों की लगन, उनकी रचनात्मक सोच तथा शिक्षकों का सतत मार्गदर्शन महत्वपूर्ण रहा। संस्था के प्राचार्य संजय बाजपेई के कुशल नेतृत्व, उपप्राचार्य श्री अजय कुमार सिंघई की प्रेरणा एवं मार्गदर्शक शिक्षिका श्रीमती मुन्नी ठाकुर के समर्पित मार्गदर्शन ने इस उपलब्धि को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यालय की इस सफलता से समूचे विद्यालय परिवार में हर्ष और उत्साह का माहौल है। यह उपलब्धि न केवल विद्यार्थियों की प्रतिभा और परिश्रम का प्रमाण है, बल्कि विद्यालय में विज्ञान, नवाचार एवं अनुसंधान आधारित शिक्षा को मिल रहे प्रोत्साहन का भी परिचायक है।

विद्यालय परिवार ने सभी सफल विद्यार्थियों एवं मार्गदर्शक शिक्षकों को हार्दिक बधाई देते हुए आशा व्यक्त की है कि विद्यार्थी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं दमोह जिले का नाम रोशन करेंगे।

विधायक के परिजनों की जमीन तक रास्ता बनाने अतिक्रमण हटाने पहुंचा अमला, लोगों ने लगाया जाम

हटा, देशबन्धु। विधायक उमादेवी खटीक के परिजनों की जमीन तक आम रास्ता बनाने के लिए लालटेक में अतिक्रमण हटाने पहुंची नगर पालिका और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम को बुधवार को रहवासियों के विरोध का सामना करना पड़ा। कार्रवाई शुरू होते ही वार्ड के लोगों ने हटा-दरगुआ मार्ग पर चक्काजाम कर दिया और विधायक के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि निजी जमीन तक रास्ता पहुंचाने के लिए राजनीतिक रसूख का इस्तेमाल कर उन्हें बेघर किया जा रहा है। करीब दो घंटे तक चले घटनाक्रम के दौरान सड़क के दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई। बाद में अधिकारियों से बातचीत के आश्वासन पर जाम खुला और आवागमन बहाल हुआ। दरअसल, शास्त्री वार्ड के लालटेक में विधायक के परिजनों की जमीन स्थित है। इसे मुख्य सड़क से जोड़ने के लिए नया रास्ता निर्माण प्रस्तावित है। रहवासियों के मुताबिक, करीब तीन महीने पहले बिना पूर्व सूचना के निजी पोकलेन मशीन से कुछ मकानों को ढहा दिया गया था।

हटा नगरपालिका के सफाईकर्मी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर, सीएमओ और एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

हटा, देशबन्धु। नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों की प्रदेशव्यापी हड़ताल का असर अब हटा में भी देखने को मिल रहा है। बुधवार 4 नवंबर से नगर पालिका हटा के सभी सफाई कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। सुबह सभी सफाई कर्मचारी नगर पालिका परिसर में एकत्रित हुए और सामूहिक रूप से हड़ताल शुरू करने का ऐलान किया।

हड़ताल के संबंध में सफाई कर्मचारियों ने नगर पालिका सीएमओ राजेंद्र खरे को ज्ञापन सौंपा। इसके बाद कर्मचारी हटा एसडीएम कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने एसडीएम के नाम अपनी विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन दिया।

ज्ञापन में बताया गया कि



अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस ट्रेड यूनियन के आह्वान पर प्रदेशव्यापी हड़ताल शुरू की गई है। सफाई कर्मचारियों ने विभिन्न मांगों को लेकर यह आंदोलन शुरू किया है। कर्मचारियों का कहना है कि जब तक शासन उनकी मांगों को पूरा नहीं करता, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। इस दौरान हटा नगर में सफाई कार्य पूरी तरह बंद रखने की बात कही गई है।

दीपावली जैसे प्रमुख त्योहार के ऐन मौके पर सफाई कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू होने से नगर की सफाई व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। अब देखना होगा कि प्रशासन और शासन स्तर पर कर्मचारियों की मांगों को लेकर क्या पहल की जाती है और नगर की सफाई व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं।